कानपुर। बुधवार • 1 सितम्बर • 2021

राष्ट्रीय सहारा

सीएसए छात्र का आईआईएम में चयन

कानपुर। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में वीएससी आनर्स (कृषि) अंतिम वर्ष में अध्ययनरत छात्र हर्षित रघुवंशी का चयन आईआईएम रांची के लिए हुआ है। हर्षित ने आईआईएम में प्रवेश के लिए कराई जाने वाली कैट परीक्षा में 90.25 फीसद अंग प्राप्त किये हैं। जौनपुर निवासी हर्षित के पिता चन्द्रभान सिंह प्रक्षेत्र अधीक्षक पद से सेवानिवृत्त हैं, जवकि मां शशिकला सिंह गृहणी हैं।

छात्र हर्षित।

Sign in to edit and save changes to this file.

दैनिक भास्कर
देश का सबसे विश्वसनीय अखबार
For epaper → www.epaperbhaskar.com

कुलपति ने किया कृषि विज्ञान केंद्रों का निरीक्षण

किसानों की आय दोगुनी करने के लिए तकनीकी के प्रचार प्रसार पर निरंतर कार्य करने के दिए निर्देश

भास्कर न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. डीआर सिंह एवं निदेशक प्रसार /समन्वयक डॉ एके सिंह ने संयुक्त रूप से नगला निरंजन दीवानी रोड एवं इटावा स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों का निरीक्षण किया। उनके साथ विश्वविद्यालय के डॉ. एचजी. प्रकाश निदेशक शोध तथा डायरेक्टर सीड एंड फार्म डॉ. राम आशीष यादव भी उपस्थित रहे। उन्होंने केंद्र पर विकसित विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस समय कृषि विज्ञान केंद्र पर विभिन्न इकाइयों चल रही हैं जिनमें से मुख्य रूप से औषधीय वाटिका, वर्मी कंपोस्ट इकाई, नाडेप इकाई, बीजा मृत, जीवामृत, नीमास्त्र, तथा मौसम वेधशाला आदि इकाइयां भली-भांति चल रही है।

कुलपति ने सभी वैज्ञानिकों को केंद्र की इकाइयों को सुचारू रूप से चलाने के साथ ही साथ जिले में किसानों की आय दुगनी बढ़ाने हेतु तकनीकी के प्रचार प्रसार हेतु निरंतर कार्य करने पर भी दिशा निर्देश दिए, साथ ही सभी वैज्ञानिकों को अपने क्षेत्र में अच्छा से अच्छा कार्य करने के लिए कहा। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सुशील कुमार,डॉ. विकास रंजन चौधरी ,डॉक्टर एस के पांडे,डॉ. ए.के. तिवारी, डॉ.आकांक्षा चौधरी डॉ. जगदीश मिश्रा डॉ. नरेंद्र वर्मा ,डॉ.महेश चंद्र वर्मा, डॉक्टर शौकत अली, वैज्ञानिक मौजूद रहे।

gn in to edit and save changes to this file.

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद व हल्द्वानी से प्रकाशित

अमृत विचार

वर्ष 31, अंक 237, पृष्ठ 12, मूल्य : 3 रुपये

एक सम्पूर्ण अखबार

स्वर्ण सहित जीते 39 पदक...11

लखनऊ, बुधवार, 1 सितंबर 2021

www.amritvichar.com

हॉलीवुड फिल्म में फिर काम क

कुलपति ने कृषि विज्ञान केंद्रों का किया निरीक्षण

अमृत विचार, कानपुर

दौरा

- **तकनीकी के प्रचार-प्रसार पर निरंतर कार्य करने का निर्देश**

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ डीआर सिंह एवं निदेशक प्रसार /समन्वयक डॉ एके सिंह ने संयुक्त रुप से नगला निरंजन दीवानी रोड एवं इटावा स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों का निरीक्षण किया।

उनके साथ विश्वविद्यालय के डॉ एच. जी. प्रकाश निदेशक शोध तथा डायरेक्टर सीड एंड फार्म डॉ. राम आशीष यादव भी उपस्थित रहे। तथा उन्होंने केंद्र पर विकसित विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस समय कृषि विज्ञान केंद्र पर विभिन्न इकाइयों चल रही हैं जिनमें से मुख्य रूप से औषधीय वाटिका, वर्मी कंपोस्ट इकाई, नाडेप इकाई, बीजा मृत, जीवामृत, नीमास्त्र, तथा मौसम वेधशाला आदि इकाइयां भली-भांति चल रही है। कुलपति ने सभी वैज्ञानिकों को केंद्र की इकाइयों को सुचारू रूप से चलाने के साथ ही साथ जिले में किसानों की आय दुगनी बढ़ाने हेतु तकनीकी के प्रचार प्रसार हेतु निरंतर कार्य करने पर भी दिशा निर्देश दिए।

Sign in to edit and save changes to this file.

आज महानगर

सीएसए के हर्षित रघुवंशी का आईआईएम में चयन

कानपुर, 31 अगस्त। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर में बीएससी ऑनर्स (कृषि) के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत छात्र हर्षित रघुवंशी का चयन आईआईएम रांची में हो गया है। हर्षित में कैट परीक्षा में 90.25 परसेंटाइल प्राप्त किए हैं। हर्षित रघुवंशी ने वर्ष 2017 में विश्वविद्यालय में यूपी कैटेट प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत प्रवेश लिया था। वह आईआईएम रांची से शिक्षा ग्रहण करने के उपरांत देश के किसी बड़े संस्थान में सेवा करने के इच्छुक हैं। सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों को दिया है। उसने बताया कि वह मूलरूप से जौनपुर का रहने वाला हैं और पिता चंद्रभान सिंह प्रक्षेत्र अधीक्षक के पद से सेवानिवृत्त हैं और मां शशि कला सिंह ग्रहणी हैं। कुलपति डॉ डीआर सिंह ने हर्षित के आईआईएम रांची में चयन होने पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

अमर उजाला

बुधवार • 01.09.2021

04

kanpur. amarujala.com

सीएसए के हर्षित का आईआईएम में चयन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बीएससी ऑनर्स (कृषि) के अंतिम वर्ष के छात्र हर्षित रघुवंशी का चयन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) रांची में हुआ है। जनवरी में जारी हुए कैट के परिणाम में उनके 90.25 पर्सेंटाइल थे। जौनपुर निवासी हर्षित के पिता चंद्रभान सिंह केवीके में प्रक्षेत्र अधीक्षक के पद से सेवानिवृत्त और मां शशि कला गृहिणी हैं। हर्षित ने बताया कि आईआईएम रांची से शिक्षा ग्रहण करने के बाद किसी बड़े संस्थान में नौकरी करनी है। (संवाद)

यूजी-पीसीएम में अर्पित अव्वल

यूपी कैटेट

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

प्रदेश में स्थित चार कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए हुई यूपी-कैटेट (संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा) का रिजल्ट मंगलवार को जारी हो गया। हर वर्ष की तरह इस बार भी कानपुर के छात्रों का शानदार प्रदर्शन रहा। स्नातक-पीसीएम कैटेगरी में शहर के अर्पित चतुर्वेदी ने प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एमएससी छात्र अश्विनी कुमार सिंह ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

मामा से मिली प्रेरणा, बनना है वैज्ञानिक : अर्पित चतुर्वेदी वैज्ञानिक बनना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि मामा आईसीएआर दिल्ली में वैज्ञानिक हैं। उन्हीं से प्रेरणा पाकर कृषि क्षेत्र में रुचि हुई और अब वैज्ञानिक बनना है। बर्रा जरौली फेज-दो निवासी अर्पित के पिता पवन कुमार चतुर्वेदी एलआईसी अभिकर्ता हैं। मां प्रीती गृहिणी हैं। अर्पित ने स्टेपिंग स्टोन स्कूल से 12वीं की परीक्षा पास की है।

अर्पित की बड़ी बहन वैष्णवी भी मामा की तरह वैज्ञानिक बनना चाहती हैं और मेरठ से बीएससी-एग्री की पढ़ाई कर रही हैं। अर्पित भी सीएसए विवि से स्नातक की पढ़ाई कर पीएचडी करना चाहते हैं।

साइंस वर्ग में मोनिका ने हासिल किया प्रथम स्थानः परास्नातक स्तर के साइंस वर्ग में मोनिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इनकी मास्टर आफ होम साइंस के प्रोग्राम कोड पांच में ग्रुप और ग्रुप कैटेगरी दोनों वर्गों में पहली रैंक है। वह कृषि वैज्ञानिक बनकर समाज की सेवा करना चाहती हैं। केशवपुरम की मोनिका के पिता सर्वेश पुलिस विभाग में हेड कांस्टेबल व मां शशि गृहिणी हैं।

सेल्फ स्टडी से सफलता: सृष्टि

जरौली फेस-2 निवासी सृष्टि सिंह ने यूपी कैटेट के परास्नातक स्तर पर दूसरा स्थान पाया है। इनको यह सफलता एमएससी होम साइंस और कम्युनिटी साइंस विषय में मिली है। सृष्टि सीएसए विवि के कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस में बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा है। सृष्टि आईसीएआर की परीक्षा पास कर किसी केंद्रीय संस्थान से पढ़ाई करना चाहती है। सृष्टि के पिता अखंड प्रताप सिंह प्राइवेट कर्मी और मां कंचन सिंह गृहिणी हैं।

पीएचडी इंट्रेंस टॉप कर बनना है प्रोफेसर : अश्विनी

पीएचडी लाइव स्टॉक प्रोडक्शन एंड मैनेजमेंट विषय से ग्रुप कैटेगरी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अश्विनी कुमार सिंह का लक्ष्य अब सीएसए विवि भी टॉप करना है। बताया कि शिक्षकों ने पूरी मदद की और मार्गदर्शन दिया। पिता ओमप्रकाश बिजनेसमैन हैं और मां बबिता सिंह पोस्टमास्टर हैं। पीएचडी कर प्रोफेसर बनना चाहते हैं।

सीएसए के छात्र हर्षित का आईआईएम में चयन

कानपुर। सीएसए के छात्र हर्षित रघुवंशी का आईआईएम रांची में चयन हुआ है। हर्षित बीएससी ऑनर्स कृषि के अंतिम वर्ष का छात्र हैं। उन्होंने कैट में 90.25 परसेंटाइल अंक प्राप्त किए थे। विवि के कृषि संकाय अधिष्ठाता डॉ. धर्मराज सिंह ने बताया कि हर्षित जौनपुर का रहने वाला है। पिता चंद्रभान सिंह प्रक्षेत्र अधीक्षक पद पर कार्यरत हैं और मां शशिकला सिंह गृहिणी हैं। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि हर्षित के चयन से विवि का मान बढ़ा है।

यूजी, पीजी और पीएचडी में शहर के भी टॉपर

यूपी कैटेट : स्नातक-पीसीएम कैटेगरी में अर्पित, पीजी में मोनिका और पीएचडी में अश्वनी ने पाई पहली रैंक

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर/मेरठ। सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ मे संयुक्त प्रवेश परीक्षा (यूपी कैटेट) का परिणाम जारी कर दिया है।

स्नातक पीसीएम ग्रुप में शहर के अर्पित चतुर्वेदी, परास्नातक में मोनिका वर्मा और पीएचडी में अश्वनी ने पहली रैंक पाकर टॉप किया है। पीजी में दूसरे स्थान सृष्टि सिंह रहीं। मंगलवार को कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही की मौजूदगी में सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आरके मित्तल, बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति यूएस गौतम, विवि के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर सिंह ने परिणाम जारी किया। कुलपति ने बताया कि प्रदेश के आठ जिलों में संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन कराया गया था। उन्होंने बताया कि कृषि शिक्षा के क्षेत्र में छात्राओं का भी रुझान बढ़ा है। साथ ही लड़कियों की भागेदारी भी अच्छी रही है। परिणाम वेबसाइट पर अपलोड किया जा रहा है। जल्द ही छात्र अपना परिणाम देख सकेंगे। रजिस्ट्रार डॉ. बीआर सिंह ने बताया कि चारों कृषि विवि में स्नातक पाठयक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग के लिए तीन सितंबर को पंजीकरण शुरू किया जाएगा। इसकी काउंसलिंग कृषि विवि में होगी।

स्नातक के चारों ग्रुपों के टॉपर

स्नानक के पीसीबी ग्रुप में पीलीभीत के मुनीर अनवर ने पहली रैंक पाई है। पीसीएम ग्रुप में कानपुर के अर्पित चतुर्वेदी, पीएजी ग्रुप में सुल्तानपुर के स्वप्निल वर्मा और पीएचएस ग्रुप में हरदोई की सुरभि सिंह की पहली रैंक है। बता दें कुल 18059 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। स्नातक स्तर पर 13815 और मास्टर्स में 3166 आवेदक रहे। एमबीए में 266 और पीएचडी में 812 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। 16105 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए थे।

कृषि वैज्ञानिक बनना चाहती हैं मोनिका

■ यूपी कैटेट में परास्नातक वर्ग में केशवपुरम निवासी मोनिका वर्मा ने टॉप किया है। इनकी मास्टर ऑफ होम साइंस के प्रोग्राम कोड पांच में ग्रुप और ग्रुप कैटेगरी दोनों में पहली रैंक है। सीएसए की बीएससी (कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस) अंतिम वर्ष की छात्रा मोनिका ने बताया कि लॉकडाउन में भाई डॉ. अश्वनी ने सिलेबस पूरा कराने और रिवीजन कराने में बहुत मदद की थी। मूल रूप से कन्नौज में रहने वाली मोनिका के भाई ने भी सीएसए से पीएचडी किया है। मोनिका कृषि वैज्ञानिक बनकर समाज सेवा करना चाहती हैं। पिता सर्वेश कुमार वर्मा पुलिस विभाग में हेड कांस्टेबल और मां शशि देवी गृहिणी हैं।

अर्पित को मामा से मिली प्रेरणा बनना चाहते हैं वैज्ञानिक

पहली बार में ही यूपी कैटेट में सफलता पाने वाले अर्पित चतुर्वेदी वैज्ञानिक बनना चाहते हैं। स्नातक-पीसीएम कैटेगरी में देश में उनकी पहली रैंक है। अर्पित ने बताया कि मामा आईसीएआर दिल्ली में वैज्ञानिक हैं। उन्हीं से प्रेरणा पाकर कृषि क्षेत्र में रुचि हुई थी। बर्रा के जरौली फेज-दो निवासी अर्पित के पिता पवन कुमार चतुर्वेदी एलआईसी अभिकर्ता, मां प्रीती गृहिणी हैं। अर्पित ने स्टेपिंग स्टोन स्कूल से 12वीं की परीक्षा पास की है। बड़ी बहन वैष्णवी मेरठ से बीएससी-एग्री की पढ़ाई कर रही हैं और वैज्ञानिक बनना चाहती हैं। अर्पित सीएसए से स्नातक की पढ़ाई कर पीएचडी करना चाहते हैं।

सीएसए के छात्र अश्वनी ने नाम किया रोशन सेल्फ स्टडी से हासिल की सफलता

माता-पिता और बहन के साथ अश्वनी कुमार सिंह। संवाद

उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एमएससी के छात्र अश्वनी कुमार सिंह की पीएचडी प्रवेश परीक्षा में पहली रैंक है। लाइव स्टॉक प्रोडक्शन एंड मैनेजमेंट विषय से ग्रुप और ग्रुप कैटेगरी दोनों में इनकी पहली रैंक है। मूल रूप से हरदोई के रहने वाले अश्वनी सीएसए के हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करते थे। उन्होंने बताया कि सेल्फ स्टडी और प्रोफेसरों की मदद से सफलता मिली है। लॉकडाउन और परीक्षा की तिथि बढ़ने पर उन्हें पढ़ाई का भरपूर समय मिल गया था। कठिन टॉपिक को समझने के लिए वह ऑनलाइन स्टडी का भी सहारा लेते थे। वह सीएसए से पीएचडी करके कृषि वैज्ञानिक बनना चाहते हैं। इनके पिता ओम प्रकाश सिंह व्यापारी और मां बबिता सिंह पोस्टमास्टर हैं।

लाइब्रेरी की किताबों से की पढ़ाई

■ जरौली फेज-2 में रहने वाली सृष्टि सिंह ने यूपी कैटेट में परास्नातक स्तर पर दूसरा स्थान पाया है। सृष्टि सीएसए के कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस से बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षा की तैयारी के लिए लॉकडाउन से पहले कॉलेज की लाइब्रेरी से किताबें इश्यू करा ली थीं, जिससे पढ़ाई में बहुत मदद मिली है। सृष्टि आईसीएआर की परीक्षा पास करने के बाद किसी केंद्रीय संस्थान से परास्नातक की पढ़ाई करना चाहती हैं। पिता अखंड प्रताप सिंह प्राइवेट कर्मी और मां कंचन सिंह गृहिणी हैं।

माता-पिता का संघर्ष देख ठाना, हम होंगे कामयाब

जितेंद्र ने एमटेक एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग में किया टाप, अर्पित स्नातक वर्ग के पीसीएम ग्रुप में आगे

जागरण संवाददाता, कानपुर : उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपीकैटेट) का परिणाम मंगलवार शाम को घोषित हो गया। कानपुर के भीतरगांव के जितेंद्र कुमार ने एमटेक एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग में प्रदेश भर में टाप किया है, जबकि जरौली फेज दो के अर्पित चतुर्वेदी स्नातक वर्ग के पीसीएम (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स) ग्रुप में सबसे आगे हैं। एमएससी के होमसाइंस वर्ग में बर्रा की सृष्टि सिंह की ओवरआल दूसरी रैंक आई है। एमटेक बायोटेक्नोलाजी ग्रुप में रनिया की प्रतीक्षा यादव प्रदेश भर में दूसरे नंबर पर हैं। मेधावियों ने माता पिता की जी तोड़ मेहनत देखकर कामयाब होने को लक्ष्य बताया। स्वजन की आशाओं को कठिन परिश्रम से पूरा करेंगे।

यूपीकैटेट में स्नातक के पीसीएम ग्रुप के टापर अर्पित चतुर्वेदी पिता पवन कुमार चतुर्वेदी और मां प्रीति के साथ • स्वयं

बड़ी बहन ने बढ़ाया हौसला, मिली कामयाबी

जरौली निवासी अर्पित चतुर्वेदी कृषि विज्ञानी बनना चाहते हैं। पिता पवन कुमार एलआइसी एजेंट, जबकि मां प्रीति गृहणी हैं। बड़ी बहन मेरठ कृषि विश्वविद्यालय में बीएससी एग्रीकल्चर की अंतिम वर्ष की छात्रा हैं। अर्पित के मुताबिक पहली बार में उनकी रैंक अच्छी नहीं आई। दूसरी बार स्वत: तैयारी की। बहन की हौसला अफजाई से कामयाबी हासिल हुई।

पिता ने कहा-कृषि क्षेत्र में कुछ बड़ा करो

जितेंद्र कुमार • स्वयं

एमटेक एग्रीकल्चर में प्रदेश के टापर जितेंद्र कुमार के पिता गया प्रसाद किसान और मां राजवती देवी गृहणी हैं। घर की आर्थिक स्थिति सामान्य है। पिता ज्यादा पढ़े नहीं हैं, लेकिन कृषि क्षेत्र में कुछ बड़ा करने के लिए कहते हैं। जितेंद्र का खेती से लगाव है। वह चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय संबद्ध इटावा के इंजीनियरिंग कालेज से बीटेक एग्रीकल्चर में अंतिम वर्ष के छात्र हैं। एमटेक करने के बाद शोध क्षेत्र में आगे जाना चाहते हैं।

एमटेक बायोटेक्नोलाजी में प्रदेश भर में दूसरा स्थान हासिल करने वाली प्रतीक्षा यादव को मिठाई खिलाती मां सुभद्रा • स्वयं

मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी का सपना

प्रतीक्षा यादव का सपना मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी करना है। पिता सत्येंद्र सिंह यादव व्यापारी हैं, जबकि मां सुभद्रा यादव हाउस वाइफ हैं। प्रतीक्षा मेरठ कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से बीटेक कर रही है। यूपीकैटेट की तैयारी सेल्फ स्टडी से की। उन्होंने शुरू से रिवीजन पर फोकस रखा, जिससे कामयाबी मिली।

सृष्टि सिंह को मिठाई खिलाती मां कंचन सिंह • स्वयं

कृषि विश्वविद्यालय में बनेंगी प्रोफेसर

सृष्टि सिंह के पिता अभय प्रताप सिंह निजी कंपनी में जोनल मैनेजर हैं, जबकि मां कंचन सिंह गृहणी हैं। वह कृषि विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बनना चाहती हैं। सृष्टि चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बीएससी होम साइंस की अंतिम वर्ष की छात्रा हैं। छोटी बहन एमएनआइटी से बीटेक कर रही है।

खुद की तैयारी, पाई सफलता

अश्विनी सिंह •

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एमएससी के छात्र अश्वनी कुमार सिंह पीएचडी के लाइव स्टाक प्रोडक्शन और मैनेजमेंट ग्रुप में पहली रैंक आई है। पिता ओम प्रकाश सिंह व्यापारी और मां बबिता पोस्टमास्टर हैं। हरदोई के रहने वाले अश्वनी सेल्फ स्टडी से सफल हुए।

नीट के रिजल्ट के बाद लेंगे निर्णय

मुनीर अनवर •

पीलीभीत के मुनीर अनवर काकादेव में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। उनकी फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलाजी ग्रुप से प्रदेश भर में पहली रैंक आई है। पिता रईसुद्दीन किसान हैं, जबकि मां खुशनुदी गृहणी हैं। मुनीर के मुताबिक नीट का फार्म भी भरा है।

उ0प्र0 लोक